



न्यायालय राजस्व परिषद्, म.पु. ग्रामलिपि.

क्रमांक R. 237-109

न्यायालय पिता बाल जी घोसी,

निवासी मंदसौर

.... आवेदक

विरुद्ध

रामेन्द्र पिता रामेन्द्र जी पालीवाल

निवासी मंदसौर

... अनावेदक

श्री एकाश छापी एवं बोकड़ी
द्वारा बाज़ दिन 26.2.09 के प्रस्तुत।

अचूर स्थिव
सालक बज्जल म० प्र० ग्रामलिपि

रिक्विजन प्रार्थना का अन्तर्गत धारा 50 म.पु.भ. राजस्व संहिता 1959 न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी मंदसौर के अपौल क्रं. 102/अपौल/07-08 परिस्तिति दिनांक 31.12.08 के परिणेदित होकर जो न्यायालय तहसीलदार महोदय मंदसौर के प्रकरण क्रमांक 32/अ-6/07-08 परिस्तित आवेदा दिनांक 11.7.2008 के विरुद्ध प्रेषा की गई।

माननीय महोदय,

निगरानी के आधार.

१११ यह कि आवेदा अन्तर्गत रिक्विजन विधि एवं प्रक्रिया के संबंधी प्रतिकूल होकर स्थिर रहने योग्य नहीं है।

११२ यह कि रिस्पोन्डेन्ट छोटीबड़ी विबालक्षण के मध्य सिक्कि न्यायालय वाद चल रहा होने के द्वारा न्यायालय द्वारा अन्धाधीन निषेधाज्ञा जारीकी कि बालक्षण भूमि को विक्रय, रहन, किसी भी प्रकार से अन्तरण नहीं करें किन्तु बालक्षण ने दौराने वाद रिस्पोन्डेन्ट को भूमि विक्रय कर दी जिसे अतिरिक्त सिक्कि जज महोदय का-02 मंदसौर के प्रकरण क्रमांक ६४.८.१०५... में अनावेदक के पक्ष में किये गये विक्रय अन्य दो विक्रयों के बाद

मार्गदर्शक

XXIX(a)-BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश - गवालियर

(10)

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक -

R 237/I 109

जिला - मुरादाबाद

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
31.7.19	<p>मुरादाबाद आवेदक की ओर से यह निगरानी अनु० अप्र० ०८ के प्रकरण क्रमांक 102/क्या/०८/०९ में पारित आदेश दिनांक ३१.१२.०८ के विरुद्ध प्रस्तुत की गई है। म.प्र. भू-राजस्व संहिता में दिनांक 25.09.2018 को हुए संशोधन के फलस्वरूप अब नवीन संशोधित संहिता की धारा 50 सहपठित संहिता की धारा 54(ए) के अंतर्गत यह प्रकरण सुनवाई हेतु मुरादाबाद को भेजा जाता है। उभयपक्ष प्रकरण में सुनवाई हेतु दिनांक 15.10.19 को कल्यास मुरादाबाद के समक्ष उपस्थित हों।</p> <p>मुरादाबाद मुरादाबाद</p> <p>(महेश चन्द्र चौधरी) सदस्य</p>	